



ASVP
ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
(UGC Peer Reviewed Journal)

Chief Patron :

Prof. Yogendra Singh

Vice Chancellor, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia, (U.P.) India

Patron:

Prof. Manvendra Pratap Singh

HOD- Sociology, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (U.P.) India

President:

Prof. (DR.) Ram Sharan Pandey.

HOD, Sociology, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia, (U.P.) India

Vice-President:

DR. Ram Naresh Yadav

Asso. Proff., Deptt. Of Sociology, S.M.M.T. P.G. College, Ballia, (U.P.) India

Managing Director/Chief Editor/Publisher

DR. Rajeev Kumar Srivastava

Asst. Prof.- Deptt. Of Sociology, Shri Sudrisht Baba P.G. College, RaniGanj, Ballia, (U.P.) India.

Aryavart Shodh Vikas Sansthan, Ballia, (U.P.) India.

Managing Editor:

Prof. Pradeep Kumar Sharma.

Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu), India.

Associate Editor :

DR. Mukesh Kumar Mishra

Dupty Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu), India.

Guest Editor:

Prof. (DR.) A.R. Khan

Dean, Faculty of Education B R A Bihar University, Muzaffarpur, (Bihar) India

Prof. Sarfaraj Ahamad

Ex. HOD- Deptt. of Sociology, Patna University, Patna (Bihar) India

Co-ordinating Editor:

DR. Dilip Srivastava

HOD- Deptt. of Geography, S.M.M.T.D. College, Ballia, (U.P.) India

DR. Sudha Trivedi

HOD- Deptt. of Hindi, MOP Women's College, Nugabankam, Chennai (Tamilnadu), India.

DR. Onkar Lal Srivastav

Ex. Asso. Prof.- Deptt. of Sociology, S.M.M.P.G. College, Ballia (U.P.) India

DR. Bholi Prasad Aganey

Ex. Lecturar, S.M.M.T.I. College, Ballia, (U.P.) India

Treasurer / Section Editor (Art and Humanities / Education):

Archana Srivastava, Aryavart Shodh Vikas Sansthan, & Aryavart Shodh Vikas Patrika Ballia, (U.P.) India.



Brief Contents

| | |
|--|-------|
| 1- Indian Tourism: A Journey for incredible India -Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.) | 1-3 |
| 2- The Challenges of Development in India: with the special reference of The Dom Caste -Abhai Kumar Rai, Deoria (U.P.) | 4-5 |
| 3- The Relevance of Mahayana Buddhism, During Modern Era : An Sociological Analysis -Abhai Kumar Rai, Deoria (U.P.) | 6-9 |
| 4- Hindi in the age of Globalization -Alok Kumar Singh, Chandauli (U.P.) | 10-13 |
| 5- The Socio-Economic Problems of Elderly Women and Adjustment in the Family -Bhawna, Varanasi (U.P.) | 14-18 |
| 6- Indian Industry -Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.) | 19-21 |
| 7- Goshwami Tulsidas'S View Regarding Family Institution (With Special Reference Of 'Ram Charitra Manas') -Anshuman Upadhyay, Azamgarh (U.P.) | 22-27 |
| 8- Eco-consciousness In The Novels Of Thomas Hardy -Aseem Tripathi, Ayodhya (U.P.) | 28-30 |
| 9- Water, Society And Economics (With special focusing on Medieval India) -Rashtra Gaurav, Varanasi (U.P.) | 31-37 |
| 10- Effect of Pesticide on food and its use in different crops -1. Alpana Singh 2. Sarita Srivastava 3. Santosh Kumar Chaturvedi, Ayodhya (U.P.) | 38-39 |
| 11- Study Of Scientific Thinking Of Secondary School Students -Arvind Kumar Singh, Ballia (U.P.) | 40-42 |
| 12- Challenge Of Air Pollution In Metros Of India -1. Ashutosh Tirpathi, Haridwar (U.P.) 2. Anjani Prasad Dubey, Pratapgarh (U.P.) | 43-45 |
| 13- Status Of Women In Indian Culture -Moina Sabri, Nainital (Uttarakhand) | 46-50 |
| 14- Yājñavalkya, the most historical example of the Vedic Thought -Santosh Kumar, Gaya (Bihar) | 51-53 |
| 15- Exposition of 'V?da-Kath?'in'V?di-Vinoda' -Rahul Kumar, Delhi | 54-59 |
| 16. मध्यकालीन भारत में शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान में प्रासंगिकता का अध्ययन -1. अफसर अली 2. सुधांशु सिन्हा, जौनपुर (उ०प्र०) | 60-63 |
| 17. युग दृष्टा पं० दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिन्तन : भारत के परिप्रेक्ष्य में -जान्हवी प्रसाद, बांदा (उ०प्र०) | 64-66 |
| 18. अंबेडकर और उनकी दूरदर्शिता -मारुति शुक्ला, बस्ती (उ०प्र०) | 67-68 |



| | |
|--|---------|
| 19. अतीत से वर्तमान तक भारतीय नारी का अस्तित्व - त्रजरानी शर्मा , अलीगढ़ (उ०प्र०) | 69-72 |
| 20. मीडिया और भारतीय परिवेश - माफति शुक्ला , बस्ती (उ०प्र०) | 73-75 |
| 21. संस्कृत और अवेस्ता का तुलनात्मक अध्ययन- समानता और विषमता दोनों पक्षों में - सुप्रिया संजू , मानेसर (हरियाणा) | 76-80 |
| 22. शैव सम्प्रदाय- एक ऐतिहासिक परिचय - त्राधिकेश , झांसी (उ०प्र०) | 81-82 |
| 23. मानव का प्राकृतिकरण और पर्यावरण संरक्षण - खेदुराम यादव , महाराजगंज (उ०प्र०) | 83-84 |
| 24. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के मूल्यों का अध्ययन - 1. इन्द्र प्रकाश सिंह 2. अजय कुमार दुबे , जौनपुर (उ०प्र०) | 85-88 |
| 25. भूगोल में पुनर्जागरण काल की उपलब्धियाँ - महेन्द्र प्रताप सिंह , चन्दौली (उ०प्र०) | 89-90 |
| 26. समकालीन कथा साहित्य में मानवाधिकार : संरक्षण एवं उन्नयन - 1. कुसुम सिंह 2. प्रतिमा सिंह , सतना (म०प्र०) | 91-93 |
| 27. वेश्यावृत्ति - नरेन्द्र त्रिपाठी , पड़रौना (उ०प्र०) | 94-95 |
| 28. कुपोषण की रोकथाम में समेकित बाल विकास योजना की भूमिका - अशोक कुमार , बोधगया (बिहार) | 96-98 |
| 29. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकार की हत्या एवं जानलेव हमला - भारतेन्दु , बोधगया (बिहार) | 99-101 |
| 30. महात्मा गाँधी का राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान - लक्ष्मी कुमारी , पटना (बिहार) | 102-103 |
| 31. पर्यावरण संरक्षण में मगध विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के उपाय - सुमन कुमारी , बोधगया (बिहार) | 104-105 |
| 32. किन्नर समाज-एक सम्मानविहिन जज्बात (थर्ड जेंडर अर्थात् ट्रांस जेंडर अर्थात् तिसरी ताली) - राजीव कुमार श्रीवास्तव , बलिया (उ०प्र०) | 106-108 |
| 33. सामाजिक -सांप्रदायिक सौहार्द का वितान रचती चन्द्रकान्ता की कहानियाँ - पवन कुमार रावत , सुल्तानपुर (उ०प्र०) | 109-112 |
| 34. कथा साहित्य में राहुल का विशिष्ट अवदान - सत्य प्रकाश पाण्डेय , गाजीपुर (उ०प्र०) | 113-115 |
| 35. शिक्षा, शिक्षण, शिष्य व शिक्षक: एक विमर्श - धर्मेन्द्र कुमार , श्रावस्ती (उ०प्र०) | 116-118 |
| 36. उत्तराखण्ड राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय समस्या एवं महाविद्यालयी छात्रों का दृष्टिकोण - जगमोहन सिंह नेगी , चमोली (उत्तराखण्ड) | 119-123 |
| 37. महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन महिला समाख्या का व्यक्तिवृत्त अध्ययन - 1. विकास सिंह 2. श्रद्धा सिंह , जौनपुर (उ०प्र०) | 124-126 |



38. मेरी पत्नी और भेड़िया' में दलित जाससत्ता **127-129**
-गुड़िया चौधरी, चेन्नई (तमिलनाडु)
39. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'सामर्थ्य और सीमा' में प्रकृति की सामर्थ्य व मनुष्य की सीमाएँ **130-132**
-गौरव कुमार, मुजफ्फर नगर (उ०प्र०)
40. महिलाओं का बदलता ग्रामीण परिवेश और डिजिटल प्रौद्योगिकी **133-134**
-1. राजेश त्रिपाठी 2. श्रीमती शैल्य सिंह, सतना (म०प्र०)
41. नारी शक्ति के विषय में विवेकानन्द के विचार **135-137**
-1. अवधेश कुमार श्रीवास्तव, अजमेर (राजस्थान) 2. गरिमा, इटावा (उ०प्र०)
42. प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानियों में भाभी और देवर-ननद का संबंध **138-139**
-काकानि श्रीकृष्ण, गुटुर (आन्ध्र प्रदेश)
43. गंगाजल प्रदूषण तथा जलीय पारिस्थितिकी तन्त्र सन्तुलन की चुनौतियाँ **140-142**
-1. अंजनी प्रसाद दूबे, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) 2. आशुतोष त्रिपाठी, प्रतापगढ़ (उ०प्र०)
44. कौटिल्यकालीन एवं वर्तमानकालीन प्रशासकीय दृष्टि: तुलनात्मक अध्ययन **143-148**
-सुनीता त्रिपाठी, महाराजगंज (उ०प्र०)
45. यमदीप उपन्यास और किन्नर जीवन **149-150**
-सनोज पी आर, कालीकट (केरल)
46. ग्रामीण विकास में डिजिटल इंडिया **151-152**
-अमर नाथ प्रसाद, पटना (बिहार)
47. ग्रामीण कामगारों के परिवारों पर जनसंचार साधनों का प्रभाव **153-154**
-धन्जय कुमार, बोधगया (बिहार)
48. भ्रष्टाचार के संदर्भ में लोकनायक जय प्रकाश नारायण के विचारों का मूल्यांकन **155-156**
-मनोज कुमार, बोधगया (बिहार)
49. भारत में ब्रिटिश काल के अंतर्गत शिक्षा नीति **157-159**
-प्रेयसी, बोधगया (बिहार)
50. राजनीति का अपराधीकरण और अपराध का राजनीतिकरण **160-161**
-राहुल कुमार मौर्य, बोधगया (बिहार)
51. जनजातीय समाज में मद्यपान की समस्या **162-163**
-राखी कुमारी, बोधगया (बिहार)
52. बिहार के विकास में लालू-राबड़ी का योगदान **164-166**
-रमेश सिंह, जहानाबाद (बिहार)
53. महात्मा गाँधी: अहिंसा और सत्याग्रह **167-17**
-रंजीत कुमार, जहानाबाद (बिहार)
54. जातियों का राजनीतिकरण **171-173**
-तनुजा, बोधगया (बिहार)
55. रामायणकार ऋषि वाल्मीकि **174-175**
-प्रो. एस. ए. सूर्यनारायण वर्मा, विशाखपट्टणम (आंध्र प्रदेश)
56. स्त्री अस्मिता की नई तलाश: नव-वामपंथी कवियों के झरोखे से **176-177**
-शैजू के, कोच्चि (केरल)
57. पंचायती राज, राजनीतिक समाजीकरण तथा महिलाएं **178-179**
-गीता कुमारी, बोधगया (बिहार)



58. बालक का सामाजिक विकास एवं बाल अपराध **180-181**
-शिखा श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)
59. विशिष्ट एवं अपवंचित बालक **182-182**
-शिखा श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)
60. गाँधीजी की बेसिक शिक्षा—एक अध्ययन **183-185**
-दिग्विजय यादव, बलिया (उ०प्र०)
61. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की वर्तमान समय में प्रासंगिकता **186-188**
-समित कुमार सिन्हा, बलिया (उ०प्र०)
62. भूमण्डलीकरण युग में गांधी दर्शन की उपादेयता **189-191**
-अजय रावत, गोरखपुर (उ०प्र०)
63. बुद्ध का आर्थिक और व्यवहारिक चिन्तन **192-196**
-सुनील कुमार चतुर्वेदी, मिर्जापुर (उ०प्र०)
64. साहित्य और समाज **197-199**
-जानकी प्रसाद, सनरहिल (शिमला)
65. वैदिक एवं बौद्ध शिक्षा में तुलना **200-202**
-विनोद कुमार दूबे, मिर्जापुर (उ०प्र०)
66. पूर्वी सिंहभूम जिले में मानव क्रिया कलाप एवं पर्यावरण प्रदूषण:
एक भौगोलिक अध्ययन **203-205**
-शारदा शरण पाण्डेय, चाईबासा (झारखण्ड)
67. रामदरश मिश्र के 'सूखता हुआ तालाब' उपन्यास में ग्राम्य-जीवन का यथार्थ **206-209**
-मुकेश चन्द, भरतपुर (राजस्थान)
68. उच्च शिक्षा में इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी की भूमिका **210-213**
- 1. आनन्द प्रकाश सिंह, हल्द्वानी (नैनीताल) 2. ज्योति जोशी, रानीखेत (अल्मोड़ा)
69. बदलते परिदृश्य में मानव विकास की ओर अग्रसर भारत **214-217**
-शशिबाला, वाराणसी (उ०प्र०)
70. उच्च शिक्षा : क्षमता व गुणवत्ता के नये प्रयास एवं सम्भावनाएँ **218-222**
(उत्तराखण्ड के विशेष सन्दर्भ में)
-1. आनन्द प्रकाश सिंह, हल्द्वानी (नैनीताल) 2. ज्योति जोशी, रानीखेत (अल्मोड़ा)
71. उषा प्रियम्बदा और उनकी कहानी वापसी **223-224**
-उषा रानी सी., चेन्नई (तमिलनाडु)
72. अहिंदी भाषियों का हिंदी में योगदान **225-227**
-एस.राजलक्ष्मी, चेन्नई (तमिलनाडु)
73. मूल्यों पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन **228-230**
-सरिता सिंह, जौनपुर (उ०प्र०)
74. हिन्दी तथा तेलुगु पहेलियों का विवेचन **231-232**
- के. नीरजा, राजमहेन्द्रवरम (आन्ध्रप्रदेश)
75. आधुनिक चित्रकला का उद्भव एवं विकास **233-234**
-गुलाबधर, चित्रकूट (म०प्र०)
76. सामाजिक परिवेश में वैश्वीकरण का सैद्धान्तिक विश्लेषण **235-238**
-मधुलिका कुमारी सिन्हा, बोधगया (बिहार)
77. विकलांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में होने वाली **239-241**
समस्याओं का समीक्षात्मक अध्ययन
-वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, चित्रकूट (म०प्र०)



78. बदलते परिवेश में शिक्षा और शिक्षकों का मूल्य **242-243**
-विपुल कुमार, बोधगया (बिहार)
79. सांस्कृतिक संघर्ष का समाधान संस्कृतियों का सम्मान एवं उत्तरदायित्व **244-246**
-सीमा शुक्ला, जौनपुर (उ०प्र०)
80. ई-सिगरेट: नशे की नई महामारी **247-248**
-सीमा शुक्ला, जौनपुर (उ०प्र०)
81. 'देवयानी' की मनोस्थिति 'कच्च' नाटक के संदर्भ में **249-250**
-विजय कुमारी, डोगरी (जम्मू & काश्मीर)
82. 'कैदी' उपन्यास के संदर्भ में नारी-शोषण **251-252**
-अजय शर्मा, जम्मू (जम्मू & काश्मीर)
83. बुआ बसेंती दा गए : एक सरसरी नज़र **253-254**
-प्रीतिमा सांगड़ा, जम्मू (जम्मू & काश्मीर)
84. अभिन्नमित्तोपादानकारणतावाद-परिवाद **255-258**
-त्रिपुरारी कुमार ठाकुर, बलिया (उ०प्र०)
85. कामकाजी ग्रामीण महिला और स्वास्थ्य **259-260**
-अर्चना श्रीवास्तव, मुजफ्फरपुर (बिहार)
86. Sexual abuse in Child Care Institutions: System of silence **261-264**
-Susmita Shukla Varanasi (U.P.)
87. विकास खण्ड पर्व (जनपद आजमगढ़) की भौगोलिक पृष्ठभूमि **265-267**
-ममता सिंह, सुल्तानपुर (उ०प्र०)
88. विक्रोक्ति एवं रस सिद्धान्त में पारस्परिक सम्बन्ध **268-270**
-सुरेन्द्र कुमार शर्मा, बदायूं (उ०प्र०)
89. मुगलकाल में भारत का नगरीकरण **271-273**
-राजू कुमार, मुजफ्फरपुर (बिहार)
90. भारतीय समाज में महिला एवं मानवाधिकारों की प्रासंगिकता" **274-277**
(एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन)
-महेश कुमार पाण्डेय, प्रतापगढ़ (उ०प्र०)
91. वेदों में पंचतत्व पूजन की वर्तमान प्रासंगिकता **278-280**
-रचना शर्मा, ग्वालियर (म०प्र०)
92. सौंदर्य प्रसाधन के रूप में घरेलू कारगर सामग्री **281-284**
-धनवन्ती कुमारी, दरभंगा (बिहार)
93. हिंद स्वराज: सभ्यता-समीक्षा का अनोखा दस्तावेज **285-287**
-रूपम कुमारी, दरभंगा (बिहार)
94. Structural Growth Of Regional Rural Banks In India **288-290**
-Dinesh Kumar , Ballia (U.P.)
95. Agricultural Policy in India -An Overview **291-296**
-Dinesh Kumar , Ballia (U.P.)
96. Urban Land Use : Ara **297-301**
-Shiv Kumar Singh, Rohtas (Bihar)
97. Case Study of Slums : Ara **302-305**
-Shiv Kumar Singh, Rohtas (Bihar)
98. Tools of stress management: A Literature Review **306-307**
-Jaya Shukla, Roorkee (U.P.)
99. गोरखपुर में संचालित कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय : एक अध्ययन **308-310**
-प्रमोद कुमार चौरसिया, गोरखपुर (उ०प्र०)



| | |
|---|---------|
| 100. Role of Public Sector in the Indian Economy | 311-314 |
| -Rajeshwar Ram, Patna (Bihar) | |
| 101. भगवद्विग्रह पूजन-अर्चन | 315-320 |
| -ईश्वर चन्द्र पाण्डेय, मऊ (उ०प्र०) | |
| 102. जनसंख्या की साक्षरता एवं व्यावसायिक संरचना की विशेषताएं | 321-324 |
| -इजेश कुमार पाण्डेय, बलिया (उ०प्र०) | |
| 103. दक्षिण भारतीय इतिहास में : संगम साहित्य | 325-326 |
| -राजू कुमार, बोधगया (बिहार) | |
| 104. गया क्षेत्र का इतिहास : एक अध्ययन | 327-329 |
| -मनोज कुमार, बोधगया (बिहार) | |
| 105. A Historical Survey Of Sati From Earliest Period | 330- |
| -Ashok Kumar , BodhGaya (Bihar) | |
| 106. Existing Programs and Policies for the Protection, Care and Welfare of the Senior citizens in India | 331-338 |
| -Arun Kumar, Agra (U.P.) -Umesh Kumar, Agra (U.P.) | |
| 107. Roles And Responsibilities Of Ngos In Women Empowerment | 339-342 |
| -Gaurav Kaushik, Agra (U.P.) -Satendra Kumar Sharma, Agra (U.P.) | |
| 108. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना : एक परिचय | 343-345 |
| -प्रमोद कुमार चौरसिया, गोरखपुर (उ०प्र०) | |
| 109. Summary, Conclusion & Suggestion | 346-347 |
| -Sangita kumari, Bhojpur (Bihar) | |
| 110. शिक्षित महिलाओं पर दूरदर्शन का प्रभाव | 348 |
| -संयुक्ता कुमारी, बोधगया (बिहार) | |
| 111. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग | 349-350 |
| -मुन्नु कुमार, बोधगया (बिहार) | |
| 112. देवरिया जनपद में शस्य गहनता पर अवस्थापनात्मक तत्वों का प्रभाव | 351-356 |
| - अरविन्द कुमार, देवरिया (उ०प्र०) | |
| 113. Attitude towards Dowry with Respect to Gender | 357-359 |
| - Rabiya Fatima , Gaya (Bihar) | |
| 114. श्रीरामचरितमानस में वर्णित शैक्षणिक सार तत्वों की वर्तमान में प्रासंगिकता | 360-362 |
| - अर्चना पाण्डेय, गोरखपुर(उ०प्र०) | |
| 115. दयानन्द सरस्वती के सामाजिक सुधारों का विश्लेषण | 363-367 |
| - दयाशंकर सिंह यादव, चन्दीली (उ०प्र०) | |
| 116. "निबंध" क्या है? | 368-370 |
| - अखंड प्रताप सिंह, खलीलाबाद (उ०प्र०) | |
| 117. मृच्छकटिकस्य शौरसेनी भाषायाः विवेचनम् | 371-372 |
| - त्रायम्बक नाथ पाण्डेय, बलिया (उ०प्र०) | |
| 118. डॉ० भीमराव अंबेडकर : सामाजिक अंशदान | 373-375 |
| - सुनीता श्रीवास्तव, धिन्नकूट, (उ०प्र०) | |
| 119. महिला सशक्तिकरण और पंचायत में भागीदारी | 376-379 |
| - नरेन्द्र सिंह, धिन्नकूट, (उ०प्र०) | |
| 120. भारतीय मुस्लिम महिलाओं के निकाह एवं तलाक से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों का विश्लेषण | 380-382 |
| - 1. उमेश कुमार, 2. जगदीश प्रसाद, आगरा (उ०प्र०) | |
| 121. Evaluation of Antioxidant Activity in Edible Wild Fruits | 383-388 |
| - Ram Autar and S.K. Shukla, Deoria (U.P.) | |



| | |
|---|---------|
| 122. JUVENILES DELINQUENCY AS A SOCIAL PROBLEM | 389-393 |
| - Akhil Kumar Saxena, Mainpuri (U.P.) | |
| 123. संस्कार-विमर्श | 394-395 |
| - डॉ० विजय श्रीवास्तव, सुल्तानपुर, (उ०प्र०) | |
| 124. तुलसी के राम | 396-397 |
| - डॉ० सुधा राय, अयोध्या, (उ०प्र०) | |
| 125. युद्ध, आतंकवाद और मीडिया | 398-401 |
| - डॉ० सानन्द कुमार सिंह, बलिया, (उ०प्र०) | |
| 126. George Bernard Shaw's Goals And Means | 402-404 |
| - DR. Subham Chatterjee, Moradabad (U.P.) | |
| 127. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में सांस्कृतिक चेतना | 405-407 |
| - दर्शना कुमारी, फिरोजाबाद, (उ०प्र०) | |
| 128. Environmental Protection Studies in Ancient India | 408-412 |
| -DR. P. B. Tiwary, Sambhal (UP) | |
| 129. Ultrasound Behaviour Of 1, 4-dihydroxy Benzene In Alcohols | 413-415 |
| -1. DR. Shiv Nandan 2. Sarita Sharma, Firozabad (UP) | |
| 130. ईशोपनिषद् और श्रीमद् भगवद् गीता में वैचारिक-साम्य | 416-418 |
| - डॉ० निहारिका चतुर्वेदी, फिरोजाबाद, (उ०प्र०) | |
| 131. शहरीकरण और विकास : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन | 419-423 |
| - डॉ० अमृता श्रीवास्तव, गोरखपुर, (उ०प्र०) | |
| 132. Online Shopping Consumer Dispute Redressal Vol II: System | 424-429 |
| - 1. Sanjeev Sharma 2. Riju Nigam, Agra (U.P.) | |
| 133. भारत के लचीले संविधान से बिगड़ती सामाजिक आर्थिक व्यवस्था | 430-432 |
| - डॉ० राकेश गुप्ता, मैनपुरी, (उ०प्र०) | |
| 134. उत्तररामचरित में पर्यावरण तत्व | 433-434 |
| - डॉ० कुसुम लता, रामपुर, (उ०प्र०) | |
| 135. निबन्ध साहित्य में महादेवी वर्मा के निबन्धों का विश्लेषण | 435-436 |
| - डॉ० प्रमोद कुमार, मैनपुरी, (उ०प्र०) | |
| 136. परिवारिक वातावरण का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व समायोजन में केन्द्रीय स्थान | 437-440 |
| - डॉ० अजीता रानी, रामपुर, (उ०प्र०) | |
| 137. समरांगणसूत्रधार में यन्त्रविधान एवं यन्त्रमानव | 441-443 |
| - डॉ० आशा रानी वर्मा, मैनपुरी, (उ०प्र०) | |
| 138. Water as environmental assets & Challenges | 444-447 |
| - DR. Jitendra Singh, Moradabad (U.P.) | |
| 139. Sustainable Agriculture Development In India | 448-452 |
| - 1. DR. Abhishek Lunayach, Bharatpur, 2.DR. Hansa Lunayach, Chomu (Rajasthan) | |
| 140. रिहन्द बांध परिक्षेत्र की पर्यावरणीय समस्याएं, दुष्प्रभाव एवं संरक्षण के उपाय | 453-456 |
| - डॉ० शिव प्रसाद, बलिया, (उ०प्र०) | |
| 141. Restriction on Litigants to Engage Advocates in Family Courts : Demerits Outweigh Merits | 457-465 |
| - DR. Sukrati Tyagi, Moradabad (U.P.) | |
| 142. भारत के आर्थिक विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का योगदान | 466-470 |
| - डॉ० डी० पी० एस रावत, मुरादाबाद, (उ०प्र०) | |
| 143. Role of Fate in Shakespeare's Tragedy Macbeth | 471-475 |
| - DR. Kirti Jain, Mainpuri (U.P.) | |
| 144. Success Mantra For Management Professionals | 476-478 |
| - DR. Mukesh Kumar Verma, Greater Noida (U.P.) | |
| 145. Exploring the Entrepreneurship Attitude towards an Organisations | 479-481 |
| - 1. DR. Sanjoet Kumar Gupta, 2. Sarika Gupta, Gorakhpur (U.P.) | |



- | | |
|---|----------------|
| 146. मौर्य काल में माप-तौल प्रणाली - डॉ० रमेश प्रताप सिंह, अयोध्या (उ०प्र०) | 482-485 |
| 147. भारतीय ग्रामीण समाज में जाति एवं व्यवसाय - डॉ० नैनी प्रिया, सम्मल (उ०प्र०) | 486-489 |
| 148. सार्वभौमवाद एवं अंतर्राष्ट्रवाद में तात्त्विक भेद तथा गीता के लोक संग्रह के आदर्श से तुलना-एक दार्शनिक समीक्षा - डॉ० इन्दु प्रकाश सिंह, प्रयागराज (उ०प्र०) | 490-492 |